>

Title : Need to set up a new unit of Fertilizers Corporation of India Limited in Gorakhpur, Uttar Pradesh.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर): देश के अंदर "हरित कंृति " की सफलता में भारतीय उर्वरक निगम लिमिटेड की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। लेकिन समय के साथ आधुनिकीकरण के अभाव तथा पर्याप्त प्रबंधन न होने से आज इसकी स्थिति अच्छी नहीं है। भारतीय उर्वरक निगम लिमिटेड की गोरखपुर स्थित इकाई की स्थापना सन 1969 में हुई थी। एक साधारण दुर्घटना के कारण 10 जून, सन 1990 को इसे बंद कर दिया गया और तब से यह इकाई बंद चल रही है। इस उर्वरक संयंत्र के बंद होने से पूर्वी उत्तर प्रदेश के विकास पर बुरा असर पड़ा तथा कृषि प्रभावित होने से किसानों की स्थिति बद्तर हुई है। देश के तीन पूर्व प्रधानमंत्रियों द्वारा गोरखपुर समेत पूर्वी उत्तर प्रदेश की जनता को इस उर्वरक संयंत्र को चलाने का आश्वासन अलग-अलग समय में अपने कार्यकाल के दौरान दिया गया था लेकिन यह आश्वासन मात्र आश्वासन बनकर ही रह गया। व्यापक जनहित में गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) में नया उर्वरक संयंत्र लगाना आवश्यक है।

मैं माननीय प्रधानमंत्री जी से अनुरोध करता हूं कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय-आर्थिक पिछड़ेपन को दूर करने तथा किसानों की स्थिति में सुधार के लिए गोरखपुर में बंद पड़े उर्वरक संयंत्र के स्थान पर नया उर्वरक संयंत्र स्थापित किया जाये।